Asthal Bohar, Rohtak-124021
NH-10, NCR, Haryana (India)

BMU IN NEWS
BABA MASTNATH UNIVERSITY

18 Feb., 2022
Friday
Page No.1

अमर उजाला

शिक्षा के प्रति प्रौढ़ों को जागरूक करने के सुझाव आमंत्रित

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मदीना के सहयोग से स्टेट करिकुलम फ्रेमवर्क के तहत प्रौढ़ शिक्षा पर चर्चा की गई। यहां शिक्षा के प्रति प्रौढ़ों को जागरूक करने के लिए सुझाव आमंत्रित किए गए।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलवीर सिंह ने कहा कि सरकार नई शिक्षा नीति-2020 को भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रभावशाली बनाना चाहती है। इसके तहत शिक्षा के प्रति प्रौढ़ों को और अधिक जागरूक करने पर जोर दिया जा रहा है। इसी कड़ी में 10 बिंदुओं पर टीम बनाकर शिक्षाविदों से चर्चा कर सुझाव आमंत्रित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षित प्रौढ़ ही देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्य सरकार ने इस कार्य का दायित्व डाइट मदीना को दिया है। ब्यूरो

हरिभूमि

समाचार ही नहीं, विचार भी

स्टेट करिकुलम फ्रेमवर्क पर की चर्चा

■ बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विवि में स्टेट करिकुलम फ्रेमवर्क के अंतर्गत प्रौढ़ शिक्षा पर चर्चा करते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मदीना के सहयोग से स्टेट करिकुलम फ्रेमवर्क के अंतर्गत प्रौढ़ शिक्षा पर चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलवीर सिंह ने बताया कि भारत सरकार नई शिक्षा नीति-2020 को भारत के उज्जवल भविष्य के लिए बहुत अधिक प्रभावशाली बनाना चाहती है। इसके अंतर्गत शिक्षा के प्रति प्रौढ़ों को और अधिक जागरूक करने के लिए 10 बिंदुओं पर टीम बनाकर शिक्षाविदों से चर्चा की और सुझाव आमंत्रित किए। उन्होंने कहा कि शिक्षित प्रौढ़ ही देश के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। हरियाणा राज्य सरकार द्वारा इस कार्य का दायित्व डाइट मदीना को दिया गया है। कार्यक्रम में कॉलेज प्रोफेसर, स्कूल के अध्यापक और बीएड के प्राध्यापकों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर डॉ. अरुणाचल, डॉ. सुरेखा खोखर, डॉ. सतीश, डॉ. सुमन लता, डॉ. विकास, डॉ. आशा शर्मा, डॉ. सुशीला शर्मा, डॉ. मनु, डॉ. महाश्वेता, डॉ. रंजु मलिक एवं कुलबीर उपस्थित रहे।

Samran Samachar Patra

बीएमयू के शिक्षा विभाग में स्टेट करिकुलम फ्रेमवर्क के तहत मीटिंग आयोजित

रोहतक संजय पांचाल

रोहतक, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मदीना,रोहतक, के सहयोग से स्टेट करिकुलम फ्रेमवर्क के अंतर्गत प्रौढ़ शिक्षा पर चर्चा की गई। इसकी अध्यक्षता करते हुए कुलवीर सिंह ने बताया कि भारत सरकार नई शिक्षा नीति -2020 को भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए बहुत अधिक प्रभावशाली बनाना चाहती है।

इसके अंतर्गत शिक्षा के प्रति प्रौढ़ों को और अधिक जागरूक करने हेतु 10 बिंदुओं पर टीम बनाकर शिक्षाविदों से चर्चा की और सुझाव आमंत्रित किए। उन्होंने कहा कि शिक्षित प्रौढ़ ही देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।हरियाणा राज्य सरकार द्वारा इस कार्य का दायित्व डाइट मदीना, रोहतक को दिया गया है ।

इस कार्यक्रम में कॉलेज प्रोफेसर, स्कूल के अध्यापक और बी0एड.के प्राध्यापकों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर डॉ.अरुणाँचल, डॉ. सुरेखा खोखर, डॉ. सतीश, डॉ. सुमन लता, डॉ. विकास, डॉ. आशा शर्मा, डॉ. सुशीला शर्मा, डॉ.मनु , डॉ महाश्वेता,डॉ रंजु मलिकएवं कुलबीर आदि उपस्थित थे ।

दैनिक उजाला आज तक

बीएमयू के शिक्षा विभाग में स्टेट करिकुलम फ्रेमवर्क के तहत मीटिंग आयोजित

रोहतक 17 फरवरी। सुकरमपाल

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानमदीना,रोहतक, के सहयोग से स्टेट करिकुलम फ्रेमवर्क के अंतर्गत प्रौढ़ शिक्षा पर चर्चा की गई। इसकी अध्यक्षता करते हुए कुलवीर सिंह ने बताया कि भारत सरकार नई शिक्षा नीति -2020 को भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए बहुत अधिक प्रभावशाली बनाना चाहती है। इसके अंतर्गत शिक्षा के प्रति प्रौढ़ों को और अधिक जागरूक करने हेतु 10 बिंदुओं पर टीम बनाकर शिक्षाविदों से चर्चा की और सुझाव आमंत्रित किए। उन्होंने कहा कि शिक्षित प्रौढ़ ही देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।हरियाणा राज्य सरकार द्वारा इस कार्य का दायित्व डाइट मदीना, रोहतक को दिया गया है ।इस कार्यक्रम में कॉलेज प्रोफेसर, स्कूल के अध्यापक और बी0एड.के प्राध्यापकों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर डॉ.अरुणाँचल, डॉ. सुरेखा खोखर, डॉ. सतीश, डॉ. सुमन लता, डॉ. विकास, डॉ. आशा शर्मा, डॉ. सुशीला शर्मा, डॉ.मनु , डॉ महाश्वेता,डॉ रंजु मलिकएवं कुलबीर आदि उपस्थित थे। ।